विश्व हिन्दी परिषद

संख्याः वि.हि.प. / रा.स. / 2020 /

सेवा में,

नई शिक्षा नीति और राजभाषा

राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन)

सोमवार, 14 सितम्बर, 2020

समय : दोपहर 2 बजे से सांय 6 बजे तक

प्रतिभागिता एवं स्मारिका के प्रकाशन हेतु

आदरणीय महोदया / महोदय,

विश्व हिन्दी परिषद हिन्दी प्रचार–प्रसार की सेवा में समर्पित वैश्विक संस्था है जो लोकमंगल और सर्वकल्याण की भावना के साथ अपनी भाषा और संस्कृति के उन्नयन में पूरी शिद्दत के साथ जुटी हुई है। हिन्दी प्रचार–प्रसार की सेवा में तत्पर यह परिषद न केवल कश्मीर से कन्याकुमारी तक के साहित्यकारों, पत्रकारों, प्राध्यापकों, शिक्षकों, हिन्दी / राजभाषा अधिकारियों, स्वयंसेवियों, कर्मचारियों एवं हिन्दी प्रेमी जनता को एक मंच पर एकत्रित करके उन्हें अनुप्रेरित करते हुए अपने प्रयोजन और उद्देश्य को पूरा कर रही है बल्कि विगत दो दशकों से अपनी महति भूमिका के बल पर इस दिशा में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अलग पहचान बना चुकी है।

परिषद हिन्दी प्रेमी विद्वानों एवं चिंतकों को संगठित करके समय–समय पर राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं, सामाजिक–सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से हिन्दी भाषा का वैश्विक प्रसार करने के अपने ध्येय के साथ निरंतर अग्रसर है। इस क्रम में **राजभाषा संवर्द्धन हेतु नई शिक्षा नीति एवं राजभाषा** विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन सोमवार 14 सितम्बर 2020 को विश्व हिन्दी परिषद आयोजित कर रही हैं।

प्रतिभागिता हेतु :

निःसंदेह नई शिक्षा नीति के आने से राजभाषा संवर्द्धन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा। नई शिक्षा नीति में हिन्दी सहित सभी मातृभाषाओं को अपनाने पर बहुत बल दिया गया है। अब प्राथमिक विद्यालयों में पहली कक्षा से लेकर पांचवीं कक्षा तक हिन्दी के साथ मातृभाषाओं के माध्यम में पढ़ाई अनिवार्य कर दिया है जिससे भावी पीढ़ी में हिन्दी के प्रति विशेष लगाव व रूचि पैदा होगी, और भी बहुत कुछ नई शिक्षा नीति में जानने योग्य उपयोगी बातें हैं जिसको जानकर हम लोगों को राजभाषा संवर्द्धन में विशेष ताकत मिलेगी। इन्हीं बातों को देखते हुए देश भर के विद्वान शिक्षकों, भाषाविदों, साहित्यकारों, लेखकों को बतौर वक्ता के रूप आमंत्रित किया गया है। **अतः आपसे अनुरोध है कि अपने कार्यालय से 10 अधिकारियों/कार्मिकों को ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए नामित किया जाए। प्रतिभागियों के लिए प्रवेश निःशुल्क है तथा प्रतिभागियों को परिषद के वेबसाइट पर पंजीयन करना अनिवार्य है।** जो प्रतिभागी पूरे सत्र में भाग लेंगे उन सभी को प्रतिभागिता प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाएगा।

आलेख हेतु:

नई शिक्षा नीति एवं राजभाषा विषय पर मौलिक और प्रकाशित आलेख / शोध पत्र हिन्दी भाषा में आमंत्रित हैं। मुख्य विषय और उपविषयों के अतिरिक्त अन्य संदर्भित आयामों पर भी आलेख भेजे जा सकते हैं.

उप विषय:

1. नई शिक्षा नीति एवं राजभाषा
2. नई शिक्षा नीति एवं प्राथमिक शिक्षा
3. नई शिक्षा नीति एवं माध्यमिक शिक्षा
4. नई शिक्षा नीति एवं उच्च शिक्षा
5. नई शिक्षा नीति एवं शोध संभावनाएँ
6. नई शिक्षा नीति एवं शिक्षा सुधार
7. नई शिक्षा नीति एवं शिक्षक
8. नई शिक्षा नीति एवं पाठ्यक्रम
9. नई शिक्षा नीति एवं मातृभाषा
10. नई शिक्षा नीति एवं कौशल विकास
11. नई शिक्षा नीति एवं खेलकूद
12. नई शिक्षा नीति एवं पर्यावरण
13. नई शिक्षा नीति एवं संस्कृत
14. नई शिक्षा नीति एवं सोशल मीडिया
15. नई शिक्षा नीति एवं संचार माध्यम
16. नई शिक्षा नीति एवं शिक्षक प्रशिक्षण
17. नई शिक्षा नीति एवं सामाजिक व्यवस्था
18. नई शिक्षा नीति एवं पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं
19. नई शिक्षा नीति एवं भारतीय संस्कृति
20. नई शिक्षा नीति एवं विभिन्न विषय हिंदी, विज्ञान, अंग्रेजी, गणित, राजनीति और योग

किसी भी देश के निर्माण की आधारशिला वहां की शिक्षा व्यवस्था होती है। जिसके माध्यम से समाज की दशा और दिशा में परिवर्तन संभव हो पाता है। शिक्षा को समाज की धुरी भी कहा जाता है। शिक्षा देश को दिशा देने के साथ–साथ विकास को भी प्रभावित करती है। जिस देश की शिक्षा व्यवस्था जितनी मजबूत होती है, वह देश उतनी ही तीव्र गति से विकास के पथ पर अग्रसर होता है। शिक्षा को व्यक्ति की सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक उन्नति का वाहक भी कहा जाता है। समय गुजरने के साथ–साथ शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की जरूरत रहती है ताकि समयानुसार सभी सामाजिक ढ़ांचे को संतुलित किया जा सके। इसी विचार को ध्यान में रखकर भारत में कई बार सामाजिक आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षा के लिए नई नीतियों को तैयार किया गया है और वह नीतियां सामाजिक परिवर्तन में कारगर भी रही हैं। 1986 में जो नीति आयी थी, उसी के आधार पर अभी तक हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था चल रही थी। इस दौरान हमारे देश में बहुत से सामाजिक परिवर्तन हुए हैं।

हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली, उस परिवर्तन के सापेक्ष उचित नहीं ठहर रही थी जिसके कारण वर्तमान सरकार के अधीन देश की शिक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव करते हुए नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 की घोषणा की गई। 14 सितम्बर 2020 को हिंदी दिवस के अवसर पर वेबिनार के माध्यम से परिषद का उद्देश्य विद्वानों के साथ जुड़ कर नई शिक्षा नीति पर राजभाषा के संदर्भ में व्यापक चर्चा करना है।

शोध-सारांश और आलेख हेतु अनिवार्य प्रारूप:

शोध सारांश की अधिकतम शब्द सीमा	–	350 शब्द
शोध सारांश भेजने की अंतिम तिथि	–	10 सितम्बर, 2020
पूर्ण शोधपत्र की अधिकतम शब्द सीमा	–	3500 शब्द
पूर्ण शोधपत्र/आलेख स्वीकृति की तिथि	–	12 सितम्बर, 2020

ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु:

लेखक/सह–लेखक का संक्षिप्त परिचय संपर्क का पता (100 शब्दों में) तथा दूरभाष संख्या और ई–मेल आईडी

आलेख/शोधपत्र इत्यादि rashtriyarajbhashasammelan@gmail.com ई–मेल पर भेजें.

सम्मेलन समिति

संरक्षक

श्री इंद्रेश कुमार
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य,
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

श्री अतुल कोठारी
राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

अध्यक्ष

प्रोफेसर विनय कुमार भारद्वाज
अध्यक्ष–हिंदी विभाग
मगध विश्वविद्यालय

उपाध्यक्ष

प्रोफेसर प्रदीप कुमार सिंह–मुंबई
प्रोफेसर जंग बहादुर पांडेय–रांची
प्रोफेसर बाबू जोसेफ–केरल
डॉ. वंदना झा–वाराणसी

संयोजक

डॉ. विपिन कुमार
महासचिव, विश्व हिन्दी परिषद,नई दिल्ली

परामर्श मंडल

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
डॉ. मंजू राय
प्रो. अरूण सज्जन
डॉ. प्रदीप शर्मा
डॉ. गिरीश पंकज

सम्मेलन से सम्बंधित विषय,पंजीयन और विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखें ।

एस–1, द्वितीय तल, उपहार सिनेमा व्यावसायिक परिसर, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन
नई दिल्ली–110016, फोनः 011–41021455, 9582092456 8586016348
ईमेलः rashtriyarajbhashasammelan@gmail.com, वेबसाइटः www.vishwahindiparishad.org
vishwahindiparishad